



# New Baby

27 Feb 2026

12:40 AM

Manama

Model: Baby-Horoscope

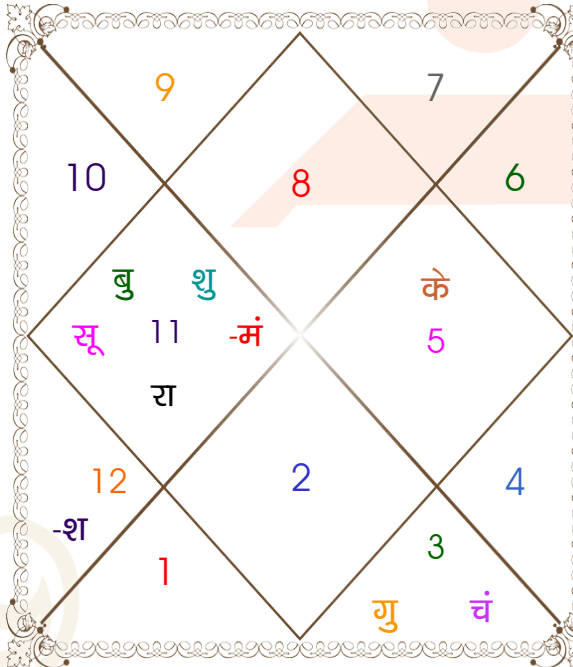
Order No: 121486201

तिथि 27/02/2026 समय 00:40:00 वार शुक्रवार स्थान Manama चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28  
अक्षांश 26:11:00 उत्तर रेखांश 50:35:00 पूर्व मध्य रेखांश 45:00:00 पूर्व स्थानिक संस्कार 00:22:20 घंटे

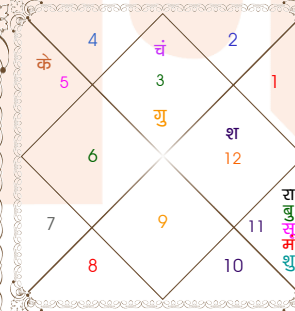
पंचांग	अवकहड़ा चक्र	विंशोत्तरी	योगिनी
साम्पातिक काल : 11:29:19 घं	गण _____: मनुष्य	राहु 6वर्ष 0मा 26दि	मंगला 0वर्ष 4मा 1दि
वेलान्तर _____: 00:12:43 घं	योनि _____: श्वान	राहु	मंगला
सूर्योदय _____: 06:04:22 घं	नाडी _____: आद्य	27/02/2026	27/02/2026
सूर्यास्त _____: 17:37:07 घं	वर्ण _____: शूद्र	25/03/2032	30/06/2026
चैत्रादि संवत _____: 2082	वश्य _____: मानव	00/00/0000	00/00/0000
शक संवत _____: 1947	वर्ग _____: मार्जार	00/00/0000	00/00/0000
मास _____: फाल्गुन	चूँजा _____: मध्य	00/00/0000	00/00/0000
पक्ष _____: शुक्ल	हंसक _____: वायु	00/00/0000	00/00/0000
तिथि _____: 11	जन्म नामाक्षर _____: ड--	27/02/2026	00/00/0000
नक्षत्र _____: आर्द्रा	पाया(रा.-न.) _____: लौह-रजत	शुक्र 12/10/2028	00/00/0000
योग _____: आयुष्मान	होरा _____: गुरु	सूर्य 05/09/2029	27/02/2026
करण _____: वणिज	चौघड़िया _____: शुभ	चन्द्र 07/03/2031	सिद्धा 10/04/2026
		मंगल 25/03/2032	संकटा 30/06/2026

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			17:59:08	वृश्चि	ज्येष्ठा	1	बुध	बुध	---	0:00			
सूर्य			14:04:32	कुंभ	शतभिषा	3	राहु	बुध	शत्रु राशि	1.13	पुत्र	पितृ	जन्म
चंद्र			15:30:06	मिथु	आर्द्रा	3	राहु	शुक्र	मित्र राशि	0.94	मातृ	मातृ	जन्म
मंगल	अ		02:52:01	कुंभ	धनिष्ठा	3	मंगल	शुक्र	सम राशि	1.32	कलत्र	भ्रातृ	अतिमित्र
बुध	व		28:18:34	कुंभ	पूर्वाभाद्रपद	3	गुरु	शुक्र	सम राशि	1.12	आत्मा	ज्ञाति	सम्पत
गुरु	व		21:06:28	मिथु	पुनर्वसु	1	गुरु	गुरु	शत्रु राशि	1.18	भ्रातृ	धन	सम्पत
शुक्र			26:22:30	कुंभ	पूर्वाभाद्रपद	2	गुरु	केतु	मित्र राशि	1.58	अमात्य	कलत्र	सम्पत
शनि			07:15:03	मीन	उभाद्रपद	2	शनि	बुध	सम राशि	1.26	ज्ञाति	आयु	विपत
राहु			14:45:23	कुंभ	शतभिषा	3	राहु	केतु	मित्र राशि	---		ज्ञान	जन्म
केतु			14:45:23	सिंह	पूर्वाफाल्गुनी	1	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि	---		मोक्ष	साधक

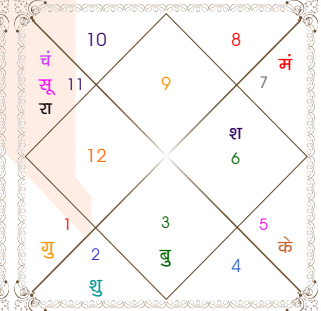
### लग्न-चलित



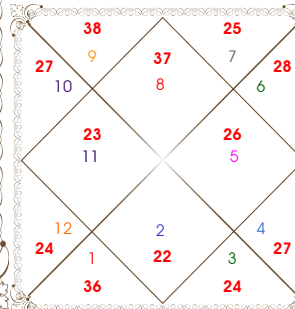
### चन्द्र कुंडली



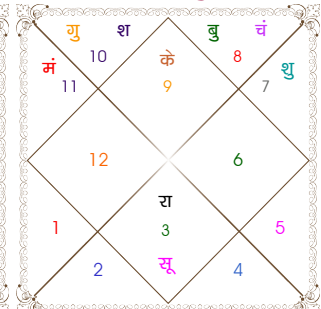
### नवमांश कुंडली



### सर्वाष्टकवर्ग



### दशमांश कुंडली



## Chandan (Astrologer)

38, Khemchand Complex, Khanpur, Delhi - 62

Email - astrovisionn@gmail.com

Mob - 9312078330

## नक्षत्रफल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ है। अतः आपकी जन्म राशि मिथुन तथा राशि स्वामी बुध होगा। नक्षत्रानुसार आपकी श्वान योनि, वर्ण शूद्र, वर्ग मार्जार, नाड़ी आद्य तथा गण मनुष्य होगा। नक्षत्र के अनुसार आपके जन्म नाम का प्रथमाक्षर "ड०" या "ग" होगा। यथा-गरिमा, गायत्री आदि।

आप अपने जीवन काल में व्यस्तता या अन्य कारणों से भोजन समय पर लेने में प्रायः असमर्थ रहेंगी। आप में शारीरिक लावण्यता भी अल्प मात्रा में ही विद्यमान रहेगी। आपके स्वभाव में क्रोध की प्रबलता रहेगी तथा यदा कदा छोटी छोटी बातों पर आप अनावश्यक क्रोध का प्रदर्शन करेंगी साथ ही समाज में अन्य जनों से उपकृत होने पर आप उनके उपकार को अल्प मात्रा में ही स्वीकार करेंगी। आप दया एवं करुणा के स्थान पर कठोरता का भी प्रदर्शन करेंगी। समीपस्थ बन्धुओं की आप प्रिय रहेंगी तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी।

**क्षुधाधिको रूक्षशरीरकान्ति बन्धुप्रियः कोपयुतः कृतघ्नः ।  
प्रसूति काले च भवेत्किलार्द्रा दयाद्रचेता न भवेन्मनुष्यः । ।  
जातकाभरणम्**

अर्थात् आर्द्रा नक्षत्र में जन्म लेने वाला जातक क्षुधा से आतुर, रूक्ष शरीर वाला, कुपित रहने वाला, कृतघ्न तथा दया से हीन होता है।

आपमें चंचलता का भाव प्रबलरूप से विद्यमान रहेगा तथा आप किसी भी कार्य को स्थिर मन से करने में असमर्थ रहेंगी। साथ ही आप एक स्थान पर स्थिर नहीं रहेंगी तथा नित्य परिवर्तन की इच्छा करेंगी। आपके पास धनार्जन भी मध्यम रूप से ही होगा परन्तु शारीरिक बल से आप सर्वदा पूर्ण रहेंगी एवं अपने बाहुबल से समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। आपकी शिक्षा भी मध्यम ही रहेगी परन्तु आचरण श्रेष्ठ रहेगा।

**कृतघ्नः गर्वितोहीनः नरो पापरतः शठः ।  
आर्द्रानक्षत्र सम्भूतो धनधान्य विवर्जितः । ।  
मानसागरी**

अर्थात् आर्द्रा नक्षत्र में उत्पन्न मनुष्य कृतघ्न, गौरव विहीन, पापी तथा धन एवं धान्य से हमेशा हीन होता है।

आपके मन में अभिमान का भाव भी विद्यमान रहेगा साथ ही आपको अत्यन्त परिश्रम से महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त होंगी। आपका सामान्य जीवन संघर्षमय रहेगा एवं परिश्रम पूर्वक आप जीविकार्जन करेंगी। अन्य लोगों के प्रति आपमें प्रेम का भाव रहेगा अतः सामाजिक जनों से आप सौहार्द अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

**Chandan (Astrologer)**

38, Khemchand Complex, Khanpur, Delhi - 62

Email - astrovisionn@gmail.com

Mob - 9312078330

**शठगर्वितः कृतघ्नो हिंस्रः पापश्च रौद्रर्क्षे ।**

**बृहज्जातकम्**

अर्थात् आर्द्रा नक्षत्र का जातक कुटिल हृदय वाला, अभिमानी, कृतघ्न, हिंसक प्रवृत्ति वाला तथा पाप कर्म करने वाला होता है।

आप जन्म के समय लौहपाद में उत्पन्न हुई हैं। यद्यपि लौहपाद में उत्पन्न जातक सामान्य रूप से रोगी, दुःखी, धनाभाव से व्याकुल, सुखसंसाधनों से हीन तथा अन्य प्रकार के कष्टों से युक्त रहता है। परन्तु आपकी जन्म कुण्डली में चन्द्रमा की स्थिति अत्यन्त ही शुभ राशि में है। अतः आपको अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फलों की ही प्राप्ति अधिक मात्रा में होगी। आप एक तेजस्वी तथा बुद्धिमती महिला होंगी तथा धन सम्पत्ति से सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगी। आपकी आयु पूर्ण आयु रहेगी तथा जीवन में समस्त सुखसंसाधनों को अर्जित करने में आप यत्न पूर्वक सफल रहेंगी। साथ ही आनन्द पूर्वक इसका उपभोग करेंगी। लेकिन स्वास्थ्य से आप मध्यम रहेंगी एवं समय समय पर श्वास कफादि रोगों से व्याकुलता की अनुभूति करेंगी। कुल मिलाकर आपका सामान्य जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

आपका जन्म मिथुन राशि में हुआ है। अतः आप के नेत्र अल्प रक्तमय श्यामवर्ण के तथा बाल घुंघराले होंगे। आपके शरीर के सभी अंग सुन्दर पुष्ट एवं स्वस्थ होंगे एवं नासिका भी उन्नत रहेगी। शास्त्राध्ययन में आपकी विशेष रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक अध्ययन से आप शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करेंगी। सन्देशों का आदान प्रदान करना या दूतिका का कार्य आपको रुचिकर लगेगा। आप अत्यन्त ही कुशाग्र बुद्धि की स्वामिनी होंगी तथा इसी तीक्ष्णता के आधार पर अन्य जनों की मन की बात को जानने में सफलता प्राप्त करेंगी। आपका व्यवहार समाज के लोगों से विनम्र तथा विनयशील रहेगा जिससे आप सबकी प्रशंसा पात्र होंगी। आपकी वाणी अत्यन्त प्रिय एवं मधुर होगी जो श्रोता के मन को प्रसन्नता प्राप्त करेगी। हंसने तथा हंसाने के कार्य में आप आजीवन निपुण रहेंगी। संगीत आपका अति प्रिय होगा तथा नृत्य शास्त्र की आप ज्ञाता होंगी।

**स्त्रीलोलः सुरतोपचारकुशलतामेक्षणः शास्त्राविद् ।**

**दूतः कुञ्चिद् मूर्धजः पटुमति हास्योङ्गित द्यूतवित् ।।**

**चार्वाङ्गाः प्रियवाक् प्रभक्षण रुचिर्गीतप्रियो नृत्यवित् ।**

**क्लीबैर्याति रतिं समुन्नतश्चन्द्रे तृतीयर्क्षगे ।।**

**बृहज्जातकम्**

आपकी हथेली में मत्स्याकार चिन्ह होगा तथा शरीर की नसें स्पष्ट दिखाई देंगी। आप की लम्बाई भी पूर्ण होगी। आप अत्यन्त सुन्दर तथा रूपलावण्य से युक्त होंगी। लेखन प्रतिभा से आप नैसर्गिक रूप से ही सम्पन्न रहेंगी तथा साहित्य या शास्त्रों के पठन पाठन तथा लेखन कार्य में पूर्ण रुचि प्रदर्शित करेंगी। आप समस्त भौतिक सुखों तथा संसाधनों से जीवन भर युक्त रहेंगी। पुरुष वर्ग को अपने वश में करने में आप पूर्ण सफल रहेंगी तथा सौभाग्य हमेशा आपका साथ देगा।

**Chandan (Astrologer)**

38, Khemchand Complex, Khanpur, Delhi - 62

Email - astrovisionn@gmail.com

Mob - 9312078330

उन्नासश्यामचक्षु सुरतविधिकला काव्यकृद्भोग भोगी ।  
हस्ते मत्स्याधिपाङ्को विषय सुखरतो बुद्धिदक्षः सिरालः ।।  
कान्तः सौभाग्य हास्य प्रियवचनयुतः स्त्रीजितौ व्यायताङ्गो ।  
याति क्लीबैश्च रतिकर्म संख्यशशिनि मिथुनगे मातृयुग्मप्रपुष्टः ।।

सारावली

आप दीर्घायु को प्राप्त करेंगी तथा आजीवन हंसने हंसाने के कार्य में सफल एवं निपुण रहेंगी। आपकी इधर उधर घूमने या यात्रादि में भी रुचिशील रहेंगी। घर में रहकर भी आनन्दानुभूति प्राप्त करेंगी।

दीर्घायुः सुरतोपचारकुशलो हास्यप्रियो युग्मके ।।

जातकपरिजातः

आपके समाज में अत्यन्त विस्तृत संबंध होंगे तथा अपने समाज में आप अत्यन्त लोकप्रिय रहेंगी। सभी लोग आपको यथोचित आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे। पुरुष वर्ग में आप अत्यन्त प्रिय होंगी तथा उनके प्रति आपका अधिक आकर्षण रहेगा। इसके साथ ही आप अपनी योग्यता से यश तथा सम्मान भी अर्जित करेंगी।

प्रियकरः करमत्स्ययुतोनरः सुरतसौख्यभरो युवतीप्रियः ।

मिथुन राशि गतौहिम गौ भवेत्सुजनतजनताकृत गौरवः ।।

जातकाभरणम्

बोलने या लिखने में आपकी भाषा शिल्पयुक्त स्पष्ट अर्थ वाली होगी जो सुगमता पूर्वक पाठक या श्रोता ग्रहण कर सकेंगे। आप अपने बन्धु वर्गों तथा समाज के सभी वर्गों की भलाई तथा सेवा करने में हमेशा तत्पर रहेंगी। आपकी प्रकृति पित तथा कफ मिश्रित होगी परन्तु आचरण श्रेष्ठ रहेगा।

मृदुरूपचित्तगात्रः शिल्पविस्पष्टवाक्यः ।

परजनहितकर्ता पंडितौ हास्य युक्तः ।।

प्रकृति शुभचरित्रं श्लेष्मचित्त स्वभावो ।

भवति मिथुन जातो गीतवाद्यानुरक्तः ।।

जातक दीपिका

आप हमेशा नेत्रों की चंचलता से युक्त रहेंगी। नृत्य तथा संगीत के प्रति आप का विशेष आकर्षण होगा तथा इसके प्रति आप पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगी। आप अपनी योग्यता तथा सद्ब्यवहार से धनैश्वर्य तथा सुखों का उपभोग करेंगी। भाषण देने की कला में भी आप अत्यन्त दक्ष होंगी। साथ ही आप जिस चीज को मन में एक बार सोच लेंगी उसे पूर्ण करके ही रहेंगी। आप न्यायवादी भी होंगी।

मृदुवाक्यो लोलदृष्टिर्दयालु मैथुनप्रियः ।

गान्धर्ववित् कासरोगी कीर्तिभोगी धनी गुणी ।।

**Chandan (Astrologer)**

38, Khemchand Complex, Khanpur, Delhi - 62

Email - astrovisionn@gmail.com

Mob - 9312078330

**गौरोदीर्घः पटुर्वक्ता मेधावी च दृढव्रतः ।  
समर्थो न्यायवादी च जायते मिथुने जनः ।।  
मानसागरी**

आप मनुष्य गण में पैदा हुई हैं। अतः देवता तथा ब्राह्मणों की आप नित्य पूजार्चना करने वाली होंगी तथा इनके प्रति आपके मन में अगाध श्रद्धा का भाव रहेगा। यदा कदा आपके अर्न्तमन में अभिमान का भाव भी जागृत होगा। दया एवं करुणा के भाव से आप युक्त रहेंगी तथा समय समय पर इस भावना का प्रदर्शन करेंगी। आप बलवती होंगी तथा एक से अधिक कलाओं या कार्यों को करने वाली होंगी। आपका शरीर कान्तिमय, सुन्दर तथा स्वस्थ रहेगा। ज्ञानार्जन में भी आपकी रुचि रहेगी तथा अध्ययन से ज्ञान प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके द्वारा बहुत से लोगों को सुख की प्राप्ति भी होगी।

आप आजीवन मान सम्मान तथा सुख संसाधनों का उपभोग करेंगी। नेत्र आपके बड़े होंगे तथा शरीर का आपका गौरवर्ण रहेगा। साथ ही आप नगरवासियों को वश में रखने वाली अथवा नगर की सम्मानित महिला होंगी।

**देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः ।  
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः ।।  
जातकाभरणम्**

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

श्वान योनि में जन्म लेने के कारण आप हमेशा कार्य करने में तत्पर रहेंगी तथा आपका मन हमेशा उत्साह से भरा रहेगा परिणाम स्वरूप जो भी कार्य करेंगी उसमें सफलता प्राप्त करेंगी। आप एक निर्भय महिला होंगी तथा निडरता पूर्वक समस्याओं का सामना एवं समाधान करेंगी। लेकिन अपने भाई बन्धुओं के साथ आपका वैमनस्य का भाव रहेगा तथा यदा कदा उनसे झगड़ा भी करेंगी। परन्तु माता पिता की आप आजीवन निस्वार्थ सेवा करने वाली होंगी।

**सोद्यमः सुमहोत्साही शूरः स्वज्ञाति विग्रही ।  
मातृपित्रो सदाभक्तः श्वानयोनौसमुद्भवः ।।  
मानसागरी**

अर्थात् श्वान योनि में उत्पन्न जातक उद्यमी, उत्साह से परिपूर्ण, शूरवीर, अपने बन्धुवर्ग से द्वेष रखने वाला तथा माता पिता का भक्त होता है।

आपके जन्म काल में चन्द्रमा की स्थिति अष्टम भाव में स्थित है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा फिर भी यदा कदा शारीरिक रूप से परेशानी

**Chandan (Astrologer)**

38, Khemchand Complex, Khanpur, Delhi - 62

Email - astrovisionn@gmail.com

Mob - 9312078330

उत्पन्न होती रहेगी। आपके प्रति उनके मन में स्नेह का भाव रहेगा एवं धन सम्पत्ति का भी उनके पास अभाव नहीं रहेगा। साथ ही जीवन में आपको सर्वप्रकार से वे आर्थिक तथा अन्य रूप से पूर्ण सहायता तथा सहयोग प्रदान करती रहेंगी। साथ ही उनके द्वारा आपको विशेष धन की प्राप्ति भी हो सकती है।

आप का भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा भाव रहेगा एवं उनका कहना मानने के लिए नित्य तत्पर रहेंगी। उनकी सेवा करना तथा वांछित सहयोग प्रदान करना आप अपना नैतिक कर्तव्य समझेंगी। आप के मध्य कभी कभी सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा फिर भी आपसी संबंध सामान्य ही समझें जाएंगे।

आपके जन्मकाल में सूर्य की स्थिति चतुर्थ भाव में है अतः आपके पिता का स्वास्थ्य सामान्य रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में स्नेह का भाव विद्यमान रहेगा। धन वैभव से वे प्रायः युक्त रहेंगे एवं जीवन में सर्वप्रकार से आपको सहयोग प्रदान करने के लिए यत्नशील रहेंगे। आप उनसे सामान्यतया धन सम्मान एवं वाहनादि भी प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही वे व्यापार तथा अजीविका सम्बन्धी कार्यों में भी आपकी सहायता करेंगे।

आपके मन में उनके प्रति सामान्य श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा एवं इच्छानुसार यदाकदा उनकी आज्ञा का अनुपालन भी करती रहेंगी। परन्तु आपके आपसी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे एवं परस्पर कई प्रकार के मतभेद विद्यमान रहेंगे फिर भी आप अपनी ओर से उन्हें कम से कम कष्टानुभूति के लिये सतत् प्रयत्नशील रहेंगी एवं अवसरानुकूल उनकी सहायता करने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

आपकी जन्म कुण्डली में मंगल की स्थिति चौथे भाव में है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा वे शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। आपके प्रति उनके मन में स्नेह एवं सम्मान का भाव रहेगा तथा सुख दुःख में आपको हमेशा उनसे वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार का सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही व्यापार एवं आजीविका संबंधी कार्यों में भी वे आपकी पूर्ण सहायता करेंगे।

आप भी उनको मन से सम्मान एवं स्नेह प्रदान करेंगी तथा सुख दुःख में सर्वदा उनके साथ रहेंगी एवं यथाशक्ति उनको वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार की सहायता भी प्रदान करती रहेंगी। आपके आपसी संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण संबंधों में कटुता या तनाव आएगा परन्तु कुछ समय के बाद स्थिति सामान्य हो जाएगी। साथ ही आप एक दूसरे से सहमत भी रहेंगे एवं विश्वास पूर्वक जीवन में परस्पर सहयोग का भाव रखेंगे।

आपके लिए आषाढ़ मास, द्वितीया सप्तमी तथा द्वादशी तिथियां, स्वाती नक्षत्र, चतुष्पाद करण, सोमवार, तृतीय प्रहर तथा धनु राशिस्थ चन्द्रमा अनिष्ट फल देने वाले हैं। अतः आप 15 जून से 14 जुलाई के मध्य 2,7,12 तिथियों, स्वाती नक्षत्र तथा परिघयोग में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, कय विक्रय, लेन देन आदि महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न न

**Chandan (Astrologer)**

38, Khemchand Complex, Khanpur, Delhi - 62

Email - astrovisionn@gmail.com

Mob - 9312078330

करें। अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी। साथ ही सोमवार, तृतीय पहर तथा धनु राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इस समय पर शारीरिक स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखे।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक या शारीरिक व्याकुलता, व्यापार अथवा नौकरी में बाधाएं उत्पन्न हो रही हों तो ऐसे समय में आपको प्रातः एवं सायं काल नियमित रूप से गणेश जी के दर्शन करने चाहिए तथा बुद्धवार का व्रत भी रखना चाहिए। साथ ही पन्ना, हरा वस्त्र, मिश्री, गुड, घी इत्यादि पदार्थों को किसी सुपात्र को दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त बुध के तांत्रिय मंत्र के 17000 जप करवाने चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलों का प्रभाव कम होकर लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे।

**ॐ ब्रां ब्रीं ब्रो सः बुधाय नमः।**

**मंत्र- ॐ ऐं स्त्रीं शीं बुधाय नमः।**



**Chandan (Astrologer)**

38, Khemchand Complex, Khanpur, Delhi - 62

Email - astrovisionn@gmail.com

Mob - 9312078330